+4 से +5 साल तक

बाल माधुरी

डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग
डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति
चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली-110055

कक्षा - यू.के.जी.

बाल माधुरी

(कक्षा–यू.के.जी.)

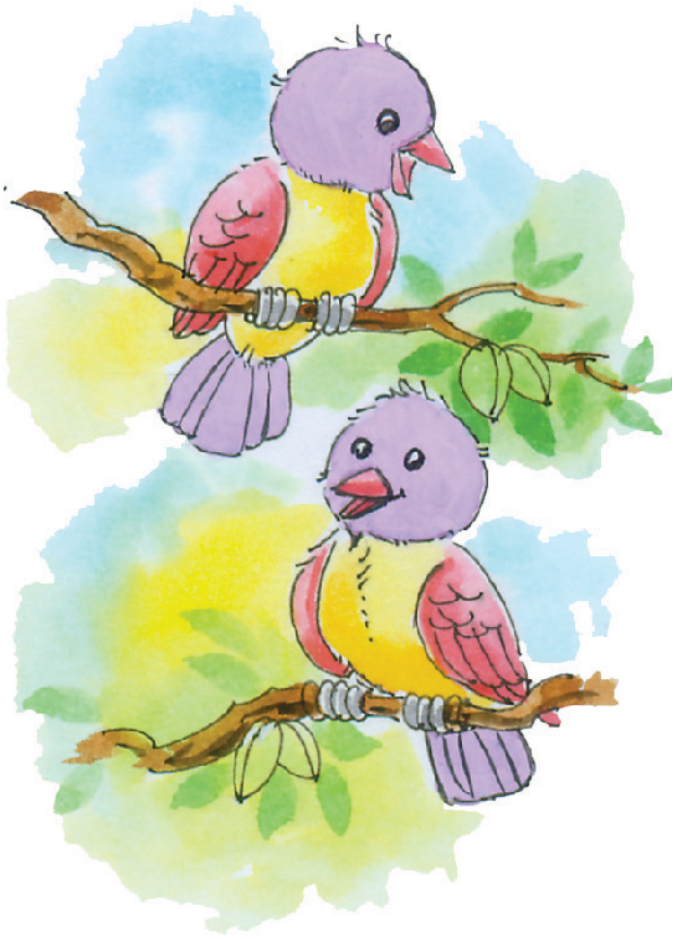

डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग
डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति
चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली–110055

समन्वयक
डॉ. निशा पेशिन

सहायक
अरुणा मल्होत्रा
अलका नांगिया

प्रकाशकः
डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग
डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति
चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली–110055
दूरभाषः 011–23503500
ई–मेलः dav.publication@davcmc.net.in

संशोधित संस्करणः जनवरी, 2006
पुनर्मुद्रणः जनवरी, 2023

महत्त्वपूर्ण सूचना

यह पुस्तक केवल डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रबंधित एवं नियंत्रित विद्यालयों में वितरण हेतु प्रकाशित की गई है।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक का वितरण मूल आवरण में ही किया जाएगा।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टीकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

कला एवं चित्रांकनः
भागीरथी आर्ट स्टूडियो; 26486572

शब्द-संयोजनः
क्वालिटी प्रिंटर्स, नवीन शाहदरा
दिल्ली–110032

मुद्रकः
लक्ष्मी प्रिंटइंडिया, 556, जी.टी. रोड, शाहदरा, दिल्ली–32

मूल्यः ₹ 55/-

शिक्षकों से

यह हिंदी पुस्तकमाला की दूसरी पुस्तक है। यह पहली पुस्तक का क्रमिक विकास है। इसमें जहाँ एक ओर विद्यार्थियों की मानसिक संरचना, रुचि एवं स्तर पर नवीनतम शिक्षण पद्धति के आधार पर पाठ्य-सामग्री का विकास किया गया है, वहीं दूसरी ओर औपचारिक एवं अनौपचारिक अध्यापन की दृष्टि भी इसमें कार्यरत रही है। प्रस्तुत पाठ्य-सामग्री बोलने, सुनने और लिखने के अवसर प्रदान करती है।

पुस्तक के प्रारंभ में पूर्ववर्ती कक्षा में सीखे गए व्यंजनों की पुनरावृत्ति है। विद्यार्थियों ने जो पहले सीखा है और जो इस कक्षा में सीखेंगे तथा जानेंगे के बीच एक सीधा संबंध स्थापित होगा। व्यंजनों को जानने-समझने के बाद विद्यार्थियों का स्वरों से परिचय होगा। स्वरों से परिचय के लिए 'चित्र शैली' को माध्यम बनाया गया है। स्वरों से परिचय के बाद मात्राओं को समझाने और पहचान कराने के लिए सामग्री संयोजित की गई है।

विद्यार्थियों को वर्णमाला के विभिन्न वर्णों से परिचित करवाते समय पृष्ठों पर दिए गए अध्यापन निर्देशों पर अवश्य ध्यान दें। 'दृश्यों', 'कहानियों' और 'चित्रों के संवाद' के द्वारा विद्यार्थियों को स्वरों की पहचान एवं उच्चारण करने के अवसर इस पुस्तक में उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को इन अवसरों से लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें। पाठ्य-सामग्री में दी गई स्वरों से संबंधित कहानियाँ विद्यार्थियों को सुनाएँ। सुनाते समय स्वर विशेष के स्पष्ट उच्चारण पर बल दें। यही कार्य विद्यार्थियों से भी करवाएँ। पाठ्य-सामग्री के अतिरिक्त कहानियाँ भी कक्षा में अवश्य सुनाएँ। पुस्तक में दिए गए तीन या चार वर्ण वाले अक्षरों के विषय में विद्यार्थियों को समझाएँ। इसके बाद 'आ' की मात्रा से उनका परिचय होगा। पाठ्य-सामग्री आपसे आपकी कल्पना के उपयोग की अपेक्षा रखती है। आपकी कल्पना और पाठ के अतिरिक्त ज्ञानवर्द्धक सामग्री के उपयोग से कक्षा में जीवंत वातावरण के सृजन में सहायता मिलेगी। इस सारी प्रक्रिया में विद्यार्थियों की निरंतर भागीदारी अनिवार्य है।

पठन-सामग्री की इस शैली में आप नए शब्दों से विद्यार्थियों को अवश्य परिचित करवाएँ। इससे उनमें भाषा-भंडार के प्रति रुचि विकसित होगी। उनमें अभिव्यक्ति की स्पष्टता का विकास होगा। भाषा को शुद्ध बोलने और लिखने का संस्कार भी प्रबल होगा।

डॉ. निशा पेशिन
निदेशक (शैक्षिक)

क ख ग घ ङ

अक्षर पहचानकर सही चित्र से मिलाइए–

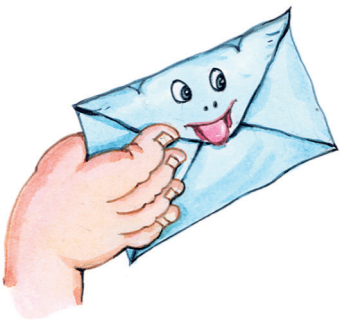

क

ख

ग

घ

ङ

अध्यापन निर्देश– क से घ तक शब्द रचना कीजिए।

च छ ज झ ञ

चित्र देखकर सही अक्षर पर गोला लगाइए–

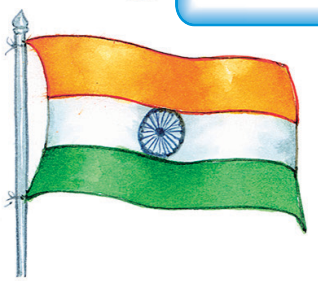

क प झ

ख च ब

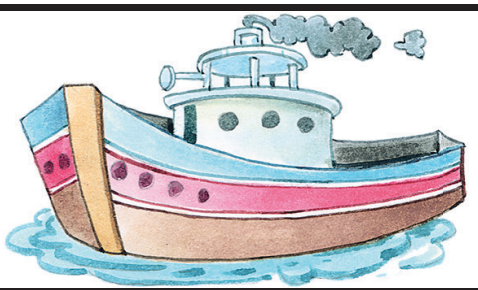

ज झ च

ञ छ क

ञ

अध्यापन निर्देश– संबंधित अक्षरों से कुछ और शब्दों की रचना करवाइए।

ट ठ ड ढ ण

ऊपर दिए गए अक्षर पढ़कर सही चित्र में रंग भरिए–

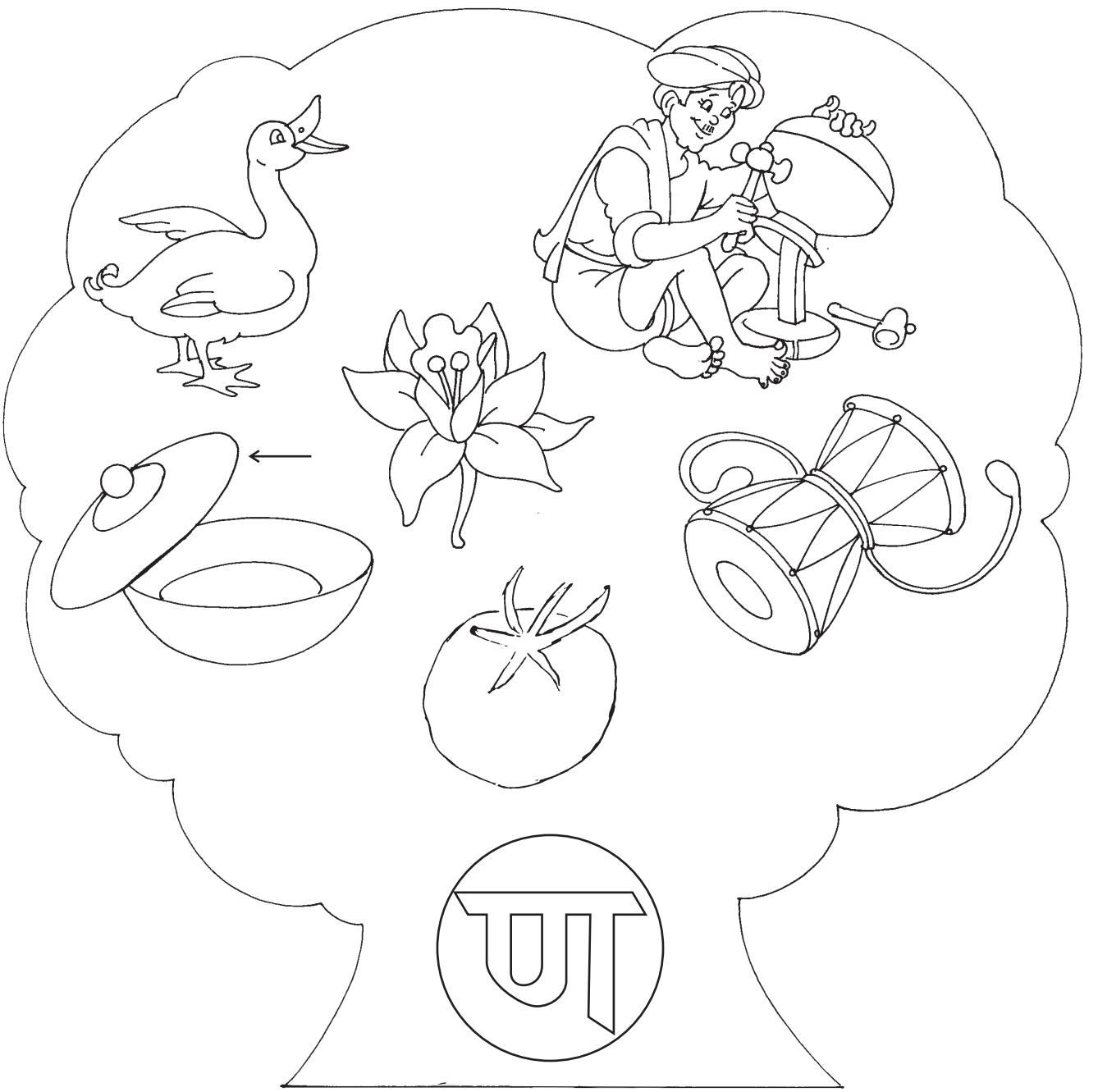

त थ द ध न

चित्र पहचानकर भिन्न अक्षर पर गोला लगाइए–

द ढ द

थ त त

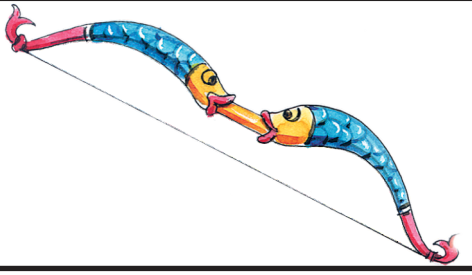

ध घ ध

य थ थ

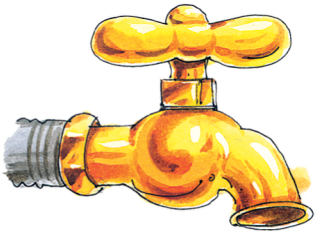

न न म

प फ ब भ म

अक्षर पहचानिए व दिए गए चित्रों में उचित रंग भरिए–

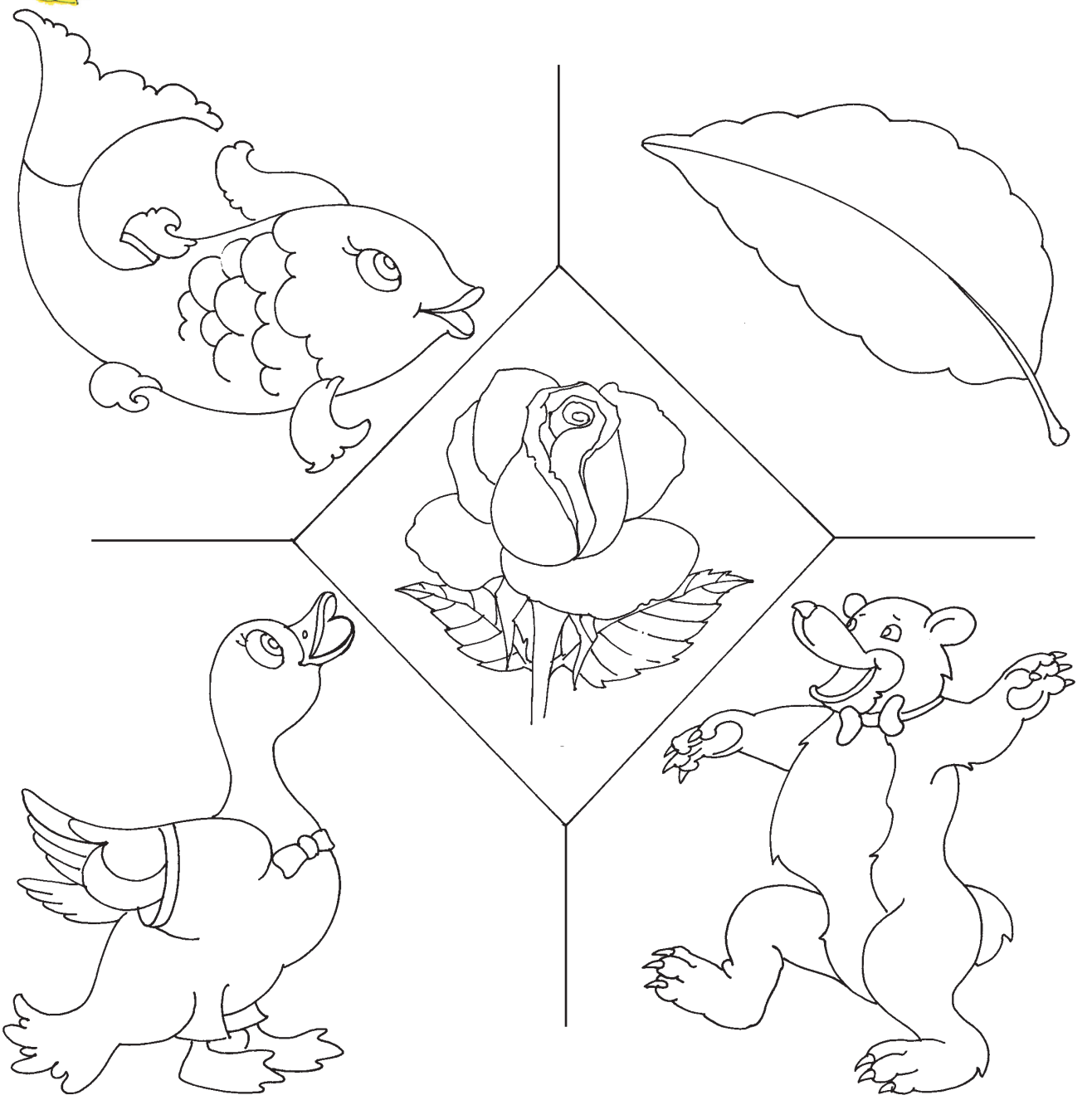

य र ल व
श ष स ह

क्रम से चलते हुए बिंदु से बिंदु मिलाइए–

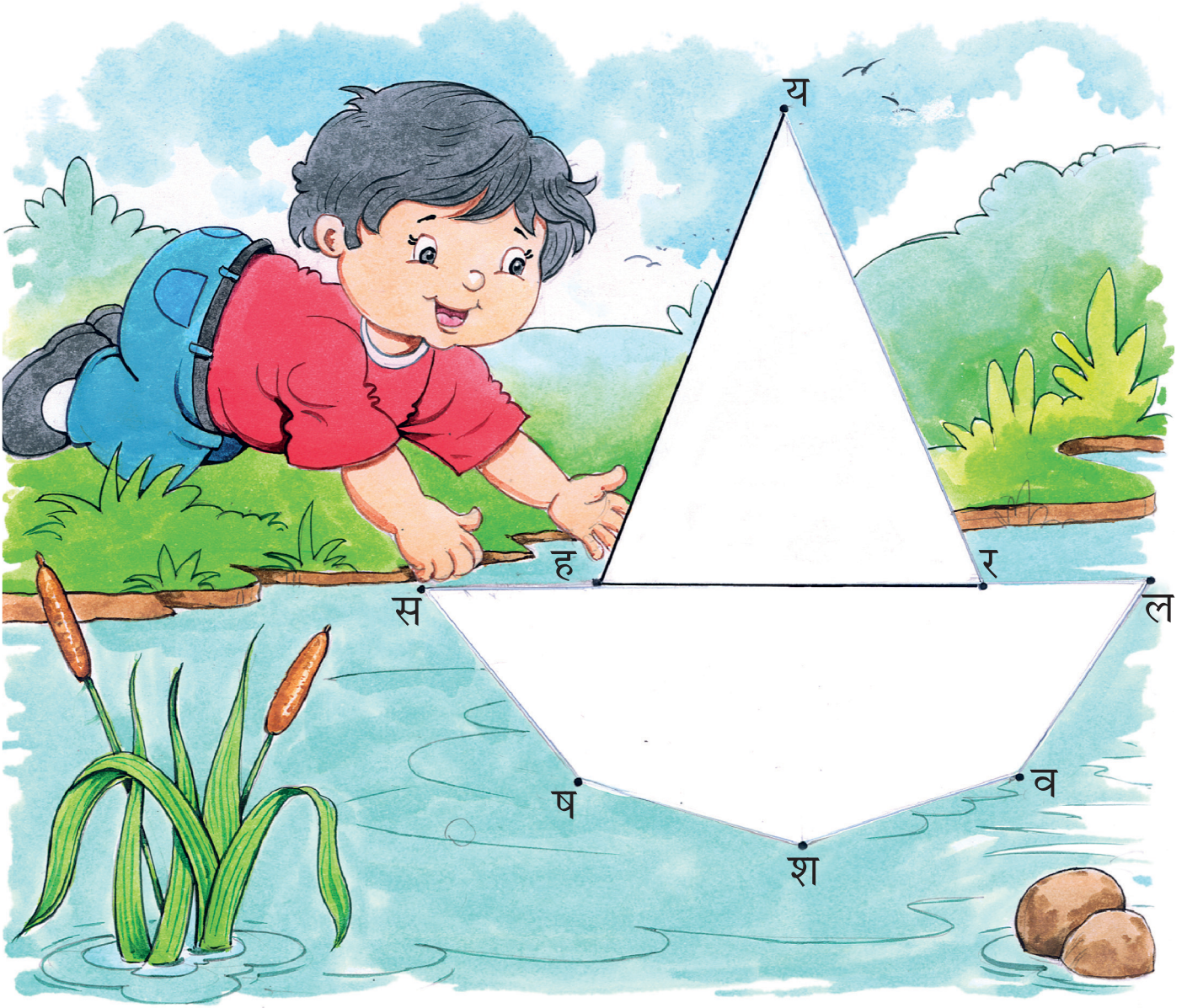

आइए पढ़ें

क्रमानुसार व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
	ष	स	ह	

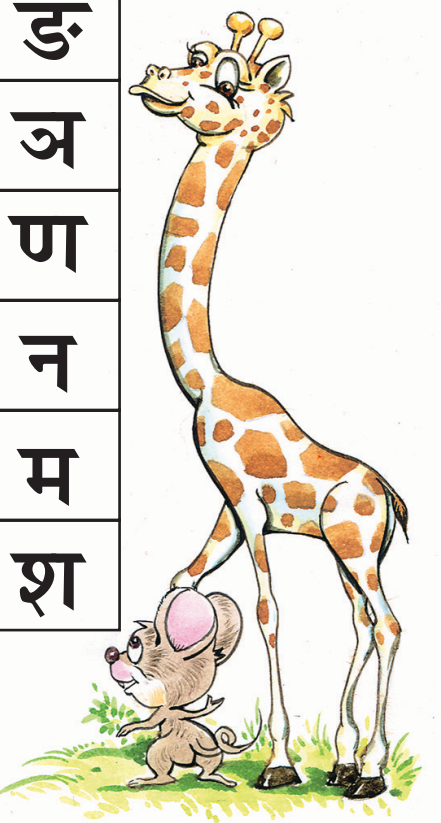

अध्यापन निर्देश—व्यंजन वर्णों को पढ़ाते समय छात्रों के सही उच्चारण पर विशेष ध्यान दीजिए। उदाहरणतः आप देखिए कि वे **क**, **ख**, **ग** को **का**, **खा**, **गा** अथवा **कै**, **खै**, **गै** न पढ़ें।

अध्यापन निर्देश

पृष्ठ संख्या 9 से 19 तक **अ** से **अं** तक के स्वरों पर आधारित चित्र कथाएँ दी गई हैं। अध्यापक/अध्यापिका **अ** से से **अं** तक सभी स्वरों के साथ दिए गए चित्रों के माध्यम से कहानियाँ सुनाएँ एवं बच्चों को सभी शब्दों के केवल प्रथम अक्षर को पढ़ने का अभ्यास करवाएँ। तत्पश्चात् उन्हें सभी शब्दों का प्रयोग करते हुए अपने-अपने ढंग से कहानी बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

अ– **अ**जय और **अ**मर **अ**मरूद के पेड़ के पास खेल रहे थे। उन्होंने देखा कि उनके **अ**ध्यापक हाथ में थैला लिए बाज़ार से आ रहे हैं। **अ**चानक **अ**ध्यापक जी की नज़र **अ**मरूद के पेड़ पर लटके **अ**जगर पर पड़ी। डर के मारे **अ**ध्यापक जी के हाथ से थैला गिर गया जिसमें से **अ**नार, **अ**दरक, **अ**नानास और सभी सब्ज़ियाँ निकलकर बाहर फैल गई। **अ**जय और **अ**मर ने यह देखा और वह दौड़कर उनके पास पहुँच गए। उन्होंने बिखरी हुई चीज़ें उठाकर उन्हें दी। **अ**ध्यापक जी को **अ**जगर से डरा देखकर, उन्होंने उन्हें बताया कि वह **अ**जगर उनका दोस्त है और किसी को कुछ नहीं कहता।

आ– एक दिन **आ**काश पर बादल छाए हुए थे। **आ**साराम एक जगह बैठा **आ**ड़ू और **आ**लू बेच रहा था। पास में ही खड़ा **आ**शू **आ**इसक्रीम खा रहा था। **आ**साराम ने देखा कि **आ**शू का दोस्त **आ**नन्द अपनी पीठ पीछे **आ**म छिपाए खड़ा था। **आ**नन्द ने दूर जलती हुई **आ**ग की तरफ़ इशारा किया। **आ**शू **आ**ग की तरफ़ देखने लगा तभी **आ**नन्द ने **आ**शू की **आ**इसक्रीम खानी शुरू कर दी और सोचने लगा कि अपनी **आ**इसक्रीम देखकर **आ**शू की **आँ**ख से **आँ**सू निकल पड़ेंगे।

इ– **इ**ला **इ**मली के पेड़ के पास बैठी थी। उसके पास एक **इ**स्त्री रखी थी। उसी समय **इ**शान भी उसे अपना **इ**नाम दिखाने दौड़ता हुआ आया। तभी दोनों ने **इ**मारत के पास से **इं**जन आता देखा। जिसमें से उनके दोस्त हाथ हिला रहे थे।

ई– यह **ई**द का दिन था। **ई**रफान **ई**दगाह के बाहर **ई**टों पर बैठा था। वह दुखी था। उसके पास खाने के लिए कुछ भी नहीं था। उसने दो बच्चों को एक दूसरे को **ई**द मुबारक करते देखा। तभी एक बच्चे के पिताजी ने **ई**रफान को देखा और उसे खाने के लिए एक **ई**ख दी।

उ– उमा और उज्जवल उड़नखटोले में बैठकर **उ**पवन के ऊपर से उड़ रहे थे। **उ**मेश उड़नखटोला देखकर खुशी से **उ**छलने लगा। उमा से **उ**पहार मिलता देख **उ**दित भी हँसने लगा। अपने दोस्तों को खुश देखकर पेड़ पर बैठा **उ**ल्लू भी प्रसन्न हो गया।

ऊ– **ऊ**दो अपनी मम्मी के साथ पहाड़ों पर घूमने गया। उसने **ऊँ**ट पर बैठकर **ऊँ**चा पहाड़ और झील में **ऊ**दबिलाव को देखा। मम्मी पास ही खड़ी स्वेटर बुन रही थी। **ऊँ**ट मम्मी की **ऊ**न के साथ खेलने लगा। यह देख मम्मी को गुस्सा आ गया।

ए– **ए**कानन्द जी **ए**कतारा बजाते हुए घर नं. **ए**क में हवन करने जा रहे थे। **ए**कतारे की मधुर आवाज़ सुनकर **ए**कांश खुश हो गया। तभी **ए**कानन्द जी की **ए**ड़ी में काँटा चुभ गया और वे दर्द से चीख पड़े। उनकी चीख से **ए**कांश का पालतू कुत्ता भी डर गया।

ऐ– **ऐ**श्वर्या और **ऐ**श्ली अपने दादाजी के साथ दवाई लाने दवाखाने गए। डॉक्टर दादाजी को थर्मामीटर लगाकर कुछ देर के लिए बाहर चला गया। **ऐ**श्ली ने डॉक्टर का कोट व **ऐ**नक पहन ली और **ऐ**श्वर्या ने **ऐ**क्स-रे उठा लिया। यह देखकर बीमार दादाजी उन्हें मना करने लगे।

ओ– सुबह के समय **ओ**मवती **ओ**ढ़नी **ओ**ढ़कर **ओ**खली में मसाला कूट रही थी। उसका बेटा **ओ**जस पौधा देख रहा था। तभी बाहर बारिश के साथ **ओ**ले पड़ने लगे। **ओ**जस का भाई **ओ**मी **ओ**लों से बचने के लिए पुस्तक सिर पर रखकर घर की **ओ**र भागा।

औ– **औ**लीराम को खेतों में काम करते हुए **औ**ज़ारों से टाँग में चोट लग गई। दर्द से कराहता हुआ वह घर आया। टाँग से खून बहता देख उसकी **औ**रत ने चोट पर **औ**षधि लगा दी।

अं– **अं**कुर बगीचे में खड़ा **अं**गूर खा रहा था। पास में बैठी **अं**किता **अं**डों से खेल रही थी। अचानक एक **अं**डा टूट गया। यह देखकर **अं**जू आन्टी ने उसे अपनी अँगूठी वाली **अं**गुलि आगे बढ़ाकर डाँट लगाई। तब **अं**किता ने कान पकड़कर उनसे माफ़ी माँगी।

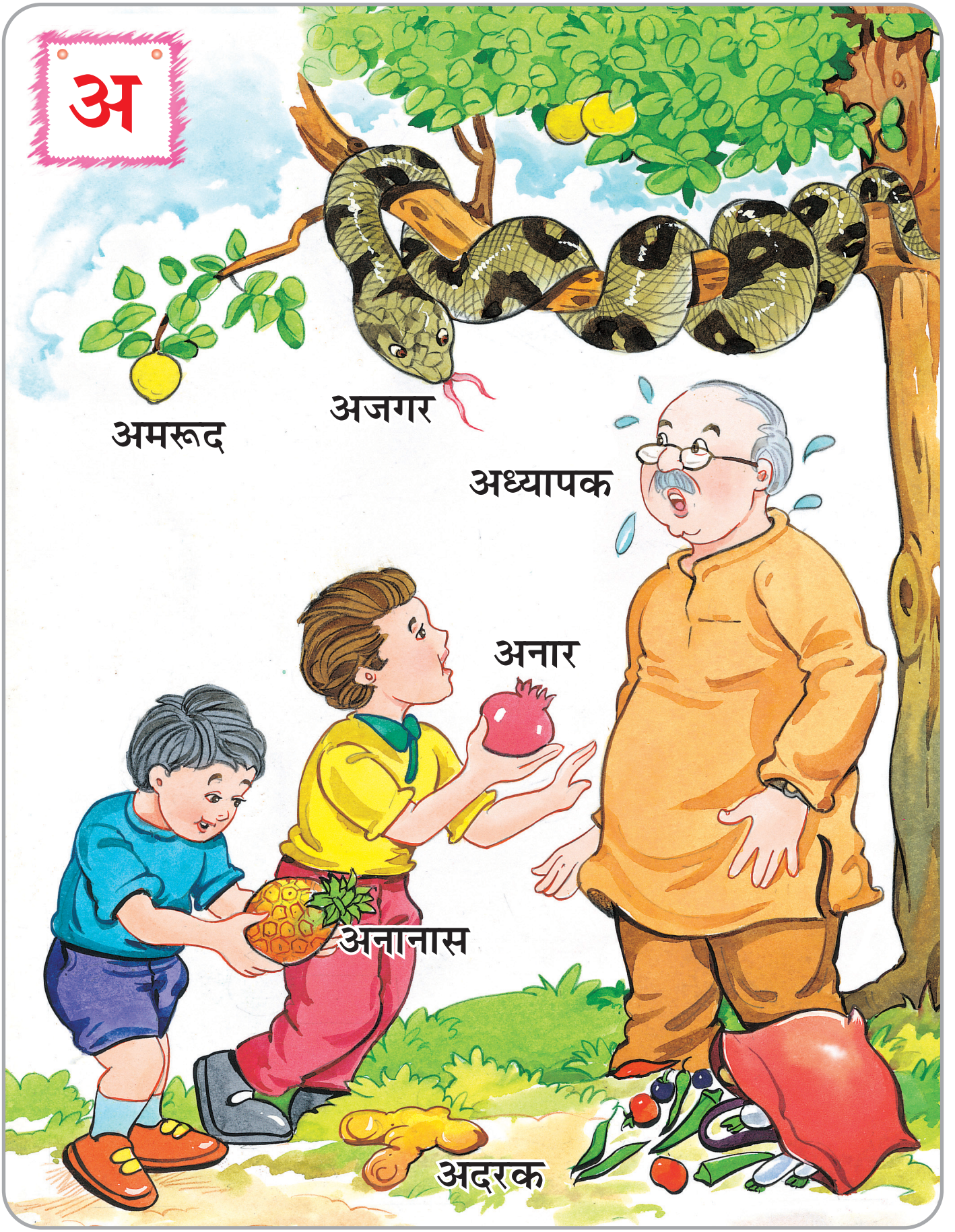

अ
अमरूद
अजगर
अध्यापक
अनार
अनानास
अदरक

आ

अध्यापन निर्देश– कहानी में 'आँख', 'आँसू' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

अध्यापन निर्देश– कहानी में 'इंजन' के चित्र को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इसे ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

अध्यापन निर्देश– कहानी में 'ईंट' के चित्र को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इसे ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

उ

ऊ

अध्यापन निर्देश– कहानी में 'ऊँचा' पहाड़ व 'ऊँट' के चित्रों को नामांकित नहीं किया गया है। छात्रों को इन्हें ढूँढने के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

ए

ऐ

ओ

औ

अं